त्रैमासिक परीक्षा हेतु प्रश्न बैंक

कक्षा -12 वींीं

सवषय – सहन्दी

ित्र -2025-26

नोट - सवषय सिक्षक प्रश्न बैंक में िमासहत प्रश्नोीं का उपयोग सवद्यासथियोीं के िीखने के स्तर एवीं पाठ्यक्रम को ध्यान में रखते हुए त्रैमासिक परीक्षा का प्रश्न पत्र बनाते िमय असनवायि रूप ि करें।

स्टेट िीअैमेंट िेल, लोक सिक्षण िींचालनालय,म.प्र.,भोपाल

	त्रैमासिक परीक्षा हेतुब्लूसप्रींट कक्षा -12 वी िमय -3 घींटे सवषय –सहन्दी पूणाांक -80							
प्रश्न क्रमींक	प्रश्न		ाव्यबोध	खण्ड			न असभव्यक्ति और माध्यम	कु ल अींक

1	ि्ही सवकल्प	**1**	**1**	**1**	**1**	**1**	**1**	**6**
2	ररि स्थान	**1**	**1**	**1**	**1**	**1**	**1**	**6**
3	ि्त्य /अित्य	**1**	**1**	**1**	**1**	**1**	**1**	**6**
4	ि्ही जोड़ी	**2**	**1**	**1**	**1**	**1**	**1**	**7**
5	एक वाक्य	**1**	**1**	**2**	**1**	**1**	**1**	**7**
6	पद्य ि्सहत्य							**2**
7	आरोह काव्यखण्ड							**2**
8	काव्यबोध							**2**
9	काव्यबोध							**2**
10	गद्य की सवधा							**2**
11	आरोह गद्यखण्ड							**2**
12	भाषाबोध							**2**
13	भाषाबोध							**2**
14	सवतान							**2**
15	असभव्यक्ति और माध्यम							**2**
16	कसव पररचय							**3**
17	लेखक पररचय							**3**
18	भाषा बोध							**3**
19	अपसित बोध							**3**
20	भावाथि							**4**
21	व्याख्या							4
22	पत्र							**4**

23	सनबन्ध			**4**
कु ल अींक **23**				कु ल अींक **80**

प्रश्न क्रम ांक – 1 से 5 तक 32 वस्तुनिष्ट प्रश्न ह ांगे| प्रत्येक प्रश्न पर 01 अांक निर् ाररत है|
प्रश्न क्रम ांक – सही नवकल्प 06,
प्रश्न क्रम ांक – ररक्त स्थ ि 06,
प्रश्न क्रम ांक – सत्य असत्य 06,
प्रश्न क्रम ांक – सही ज ड़ी 07,
प्रश्न क्रम ांक – एक व क्य मेंउत्तर 07,
प्रश्न क्रम ांक – 06 से15 तक कु ल 10 प्रश्न ह ांगे| प्रत्येक प्रश्न पर 02 अांक निर् ाररत है|
प्रश्न क्रम ांक – 16 से19 तक कु ल 04 प्रश्न ह ांगे| प्रत्येक प्रश्न पर 03 अांक निर् ाररत है|
प्रश्न क्रम ांक – 20 से23 तक कु ल 04 प्रश्न ह ांगे| प्रत्येक प्रश्न पर 04 अांक निर् ाररत है|

प्रश्न-पत्र सनमिाण हेतुसवषय सिक्षक को सनर्दि –

1. सवषय सिक्षक प्रश्नपत्र सनमिाण हेतु प्रश्नोंका चयन करतिमय प्रश्नबैंक मेंसर्दए गए सहन्दी सवषय के त्रैमासिक परीक्षा हेतुतैयार की गई अींक योजना एवींब्लूब्लूसप्रींट का अध्ययन कर लें। ब्लूसप्रींट अनुिार ही प्रश्नोंका चुनाव करतेहुए प्रश्नपत्र का सनमिाण करें| यह अवश्य ध्यान र्दैंसक सकिी प्रश्न का र्दोहराव नहींहो |

2. प्रश्न पत्र के सकिी प्रश्न का सकिी अन्य चुनेगयेप्रश्न मेंउत्तर िमासहत नहींहो |

3. िही जोड़ी बनाइए वालेप्रश्न मेंस्तम्भ (अ) और उिकी िही जोड़ी बनानेहेतु स्तम्भ (ब) का सविेष ध्यान रखतेहुए चयन सकया जाये।

4. प्रत्येक प्रश्न किमक्ष उिके सलयेआवींसटत अींक अवश्य अींसकत करें।

5. यसर्द प्रश्न बैंक मेंएिि कोई प्रश्न टींकण त्रुसटवि िमासहत हो गया हो जो िैक्षसणक कै लेंडर में सर्दए गए अगस्त माह तक केपाठ्यक्रम िया िींर्दसभित इकाई केबाहर का हो तो सवषय सिक्षक उि प्रश्न को प्रश्नपत्र मेंिक्तिसलत नहींकरें।

6. सवषय सिक्षक त्रैमासिक परीक्षा का प्रश्न पत्र बनातिमय सवद्यासथियोंकिीखनेकेस्तर एवीं पाठ्यक्रम पूणिता को ध्यान मेंरखतेहुए प्रश्न पत्र का सनमिाण करें।

त्रैमासिक परीक्षा

कक्षा – 11 वीीं

सवषय - सहन्दी

ि‍मय – **3** घींटा पूणाांक – **80** सनर्दि **:-**

i. ि‍भी प्रश्न असनवायि हैं **|**

ii. प्रत्येक प्रश्न के सलए आवींसटत अींक उिके ि‍ि‍ुख अींसकत हैं **|**

iii. प्रश्न क्रमींक **1** ि‍ **5** तक **32** वस्तुसनष्ठ प्रश्न हैं **|** प्रत्येक उप**-**प्रश्न पर **1** अींक सनधािररत हैं **| iv.** प्रश्न क्रमींक **6** ि‍ **15** तक कु ल **10** प्रश्न हैं **I** प्रत्येक प्रश्न पर **2** अींक सनधािररत हैं **|** ि‍ब्द ि‍ीमा लगभग **30** ि‍ब्द है **I**

v. प्रश्न क्रमींक **16** ि‍ **19** तक कु ल **4** प्रश्न हैं **I** प्रत्येक प्रश्न पर **3** अींक सनधािररत हैं**I** ि‍ब्द ि‍ीमा लगभग **75** ि‍ब्द है **I**

vi. प्रश्न क्रमींक **20** ि‍ **23** तक कु ल **4** प्रश्न हैं **I** प्रत्येक प्रश्न पर **4** अींक सनधािररत हैं **I** ि‍ब्द ि‍ीमा लगभग **120** ि‍ब्द है**I**

vii. प्रश्न क्रमींक **6** ि‍ **23** तक ि‍भी प्रश्नोीं के आींतररक सवकल्प सर्दए गए हैं **I**

प्रश्न 1 - सनम्नसलक्तखत कथनोींके सलए ि‍ही सवकल्प चुनकर सलक्तखए------ **-(1x6=6)**

1. ह ल व द के प्रवताक कनव हैं-

(अ) जयशांकर प्रस द (ब) अज्ञेय (स) हररवांश र य बच्चि (द) मह देवी वम ा 2. ‘नदि जल्दी जल्दी ढलत है’- गीत बच्चि के नकस क व्य सांग्रह से नलय गय है?

(अ) म ुश ल (ब) नमलिय नमिी (स) निश निमांत्रण (द) म ुकलश

3. हररवांश र य बच्चि क जन्म कब हुआ थ ?

(अ) 1905 ई0 (ब) 1907 ई0 (स) 1909 ई0 (द) 1911 ई0

4. हररवांश र य बच्चि क जन्म कह ाँ हुआ थ ?

(अ) फै ज ब द (ब) इल ह ब द (स) हैदर ब द (द) मुर द ब द

5. ‘आत्मपररचय’ कनवत में कनव नकसक भ र नलए नफरत है?

(अ) क य ालय क (ब) पररश्रम क (स) जग-जीवि क (द) असफलत क 6. ‘आत्मपररचय’ कनवत में कनव जीवि में क्य नलए नफरत है?

(अ) स्नेह (ब) करूण (स) प्य र (द) दय

7. ‘आत्मपररचय’ कनवत में कनव बच्चि नकसक प ि नकय करते है?

(अ) जल क (ब) स्नेह-सुर क (स) स ाँस ां क (द) सत्य क

8. ‘आत्मपररचय’ कनवत में कनव अनप र दि में क्य नलए नफरत है?

(अ) र ग (ब) र स (स) र ज (द) र म

9. 'आत्मपररचय' कनवत में कनव स्वयां क दुनिय क एक िय क्य म ित है?

(अ) प्रेमी (ब) दीव ि (स) परव ि (द) रक्षक

10. 'आत्मपररचय' कनवत में कनव कै स सांस र नलए नफरत है?

(अ) यथ था क (ब) आदशा क (स) स्वप् ांक (द) सत्य क

11. 'ह ि ज ए पथ में र त कहीां' स च-स च कर जल्दी-जल्दी कौ चलत है?

(अ) कु त्त (ब) पांथी (स) कनव (द) ब ज

12. नकसक ध्य ि करके नचनड़य ां के पर ां में चांचलत आ ज ती है?

(अ) ब ज क (ब) स ाँप क (स) कौवे क (द) अपि बच्च ां क

13. बच्च ां की य द अिो पर नचनड़य ाँ क्य करती है?

(अ) र ती है (ब) स ती हैं (स) तेजी से उडती हैं (द) इिमें से क ई िही

14. 'नदि जल्दी–जल्दी ढलत है' कनवत में कनव हत श व दु:खी क्य ां है?

(अ) आनथाक ह नि के क रण (ब) अपर ् के क रण

(स) पररव र से नबछु डिं के क रण (द) इिमें से क ई िहीां

15. कनव आल क र्न्व नकस दशक के कनव हैं -

(अ) तीसरे-चौथे दशक के (ब)चौथे-पॉचवें दशक के

(स) छठवें-स तवेंदशक के (द) स तवें-आठवेंदशक के

16. कनव आल क र्न्व की पहली कनवत है-

(अ) भीगी हुई लडनकय ाँ (ब) जित क आदमी

(स) ब्रि की बेनिय ाँ (द) इिमेंसेक ई िहीां

17. कनव आल क र्न्व क एक म त्र कनवत सांग्रह है-

(अ) भ गी हुई लडनकय ाँ (ब) जित क आदमी

(स) ब्रि की बेनिय ाँ (द) दुनिय र ज बिती है

18. छत से नगरि और बचि के ब द बच्चे बि ज ते हैं -

(अ) डरप क (ब) निडर (स) ईम िद र (द) क्र ी

19. 'पतांग' कनवत नकसके नलए प्रनसद्ध् है?

(अ) प्रतीक ां के नलए (ब) नचत्र नवर् ि के नलए

(स) नबम्ब नवर् ि के नलए (द) व्यांग्य था के नलए

20. पतांग उड़ ते बच्चे नकसके सह रे स्वयां भी उडते से हैं?

(अ) फें फड़ के (ब) रांध् ां के (स) स हस के (द) शक्तक्त

21. म नत्रक छन्द क उद हरण है-

(अ) कनवत्त (ब)सवैय (स)स रठ (द) इिमेंसेक ई िहीां।

22. म ुरुयाक व्य गुण नकि रस ांमेंप य ज त है?

(अ) वीर रस (ब) शांग र रस (स) रौद्र रस (द) ह स्य रस

23. क व्य गुण ांकी सांख्य नकतिी म ी गई है?

(अ) 2 (ब) 3 (स) 4 (द) 5

24. नजस क व्य गुण नवशेष के क रण सहृदय क नचत्त व्य प्त ह ज त है,अथ ात सहृदय के नचत्त मेंअथापूरेक पूर रम ज त हैउसेकहतेहैं-

(अ) म ुरुयागुण (ब) ओज गुण (स) प्रस द गुण (द) क ई गुण िहीां

25. भक्तक्ति प ठ नलख गय है-

अ कह ी ब. आलेख स. रेख नचत्र द. लेख

26. 'नजठौत' क अथा है-

अ बड़ भ ई ब. ससुर क पुत्र स. जेठ क पुत्र द. देवर क पुत्र

27. भक्तक्ति क व स्तनवक ि म थ -

अ मीर ब. र र् स. लछनमि द. सरस्वती

28. भक्तक्ति गले में पहिती थी-

अ. मनणम ल ब. कां ठी म ल स. म ती म ल द. स ि की म ल

29. मह देवी वम ा क जन्म वषा है-

अ 1905 ब. 1906 स. 1907 द. 1908

30. 'य म ' क व्य–सांग्रह है-

अ मीर ब ई क ब. मह देवी वम ा क स. सुमद्र कु म री चौह ि क द. जयशांकर प्रस द क 31. 'ब ज र दशिा' प ठ के लेखक हैं-

अ. र्मावीर भ रती ब. जिैन्द्र कु म र स. नवष्णु खरे द. मह देवी वम ा

32. 'परख' उपन्य स के लेखक हैं-

अ हज री प्रस द निवेदी ब. प्रेमचांद स. यशप ल द. जिैन्द्र कु म र

33. 'ब ज र दशिा' प ठ है-

अ निबांर् ब. कह ी स.रेख नचत्र द.सांस्मरण

34. पचेनजांग प वर क अथा है-

अ स म ि ब. खरीदि की शक्तक्त स.अनग्रम र नश द. इच्छ

35. ब ज र क ज दू चढ़ि क अथा है-

अ आकषाक वस्तुएँ ब. उपह र की वस्तुएँ स.उर् र की वस्तुएँ द. द ि की वस्तुएँ 36. ब ज र दशिा प ठ क कें द्रीय भ व है-

अ ब ज रव द ब. र जिीनत स.र्मा द. सम ज

37. 'क ले मेघ प ी दे' प ठ के लेखक हैं।

अ मह देवी वम ा ब. हज री प्रस द निवेदी स. र्मावीर भ रती द. नवष्णु खरे

38. वेनवनभन्न शब्द नजिक स्त्र त सांस्कृ त िहीांहै, भ रत में ग्र म्य क्षेत्र ां अथव जिज नतय ां में ब ली ज ि व ली नवनभन्न भ ष पररव र ां के हैं कहल ते हैं-

(अ) नवदेशी शब्द (ब) क्षेत्रीय शब्द (स) तकिीकी शब्द (द) निप त शब्द। 39. निम्न मेंसेअवर् रण ब र्क निप त शब्द िहीांहैं -

(अ) ठीक (ब) लगभग (स) करीब (द) क श

40. 'क श! आज वष ाह ती' इस व क्य में'क श' कौ-स निप त शब्द है?

(अ) सीम ब र्क (ब) नवस्मय नदब र्क (स) प्रश्न ब र्क (द) निषेर् त्मक निप त 41. निम्न शब्द ांमेंसेतकिीकी शब्द िहीांहैं -

(अ) अांग छ (ब) रेख नचत्र (स) अनभक्त ा (द) आय ग

42. 'नसल्वर वैनडांग' प ठ के लेखक हैं-

(अ) मि हर वम ा (ब) मि हर श्य म ज शी (स) श्य म मि हर ज शी (द) फणीश्वर ि थ रेणु 43. यश र् ब बूअपि आदशाम ितेथे-

(अ) अपिस लेक (ब) अपिी पत्नी क (स) भूषण क (द) नकशिद क 44. यश र् ब बूमूलतः रहिव

लेथे-

(अ) नदल्ली के (ब) आगर के (स) कु म ऊां के (द) झ़ाँसी के

45. यश र्र ब बू सवाप्रथम नकस पद पर नियुक्त हुए?

(अ) बॉय सनवास (ब) क्लका (स) सह यक क्लका (द) सेक्शि ऑनफसर

46. यश र्र क पूर ि म है –

(अ) यश र्र ब बू (ब) ए. डी. पांत (स) व ई. डी. पांत (द) ओ. डी. पांत

47. लेखक ि यश र्र ब बू क नकशि द क कौि-स पुत्र कह है ?

(अ) म िस पुत्र (ब) दत्तक पुत्र (स) ि ज यज पुत्र (द) पुत्र

48. यश र्र ब बूनकस तरह के जीवि के पक्षर्र थे?

(अ) बि विी (ब) र् नमाक (स) मौज-मस्ती (द) स दगी पूणा

49. . ीी. वी. पर प्रस ररत खबर ांमेंसबसेमहत्त्वपूणाहै-

अ. नवजुअल ब. ब र्ड़ि स. िि द. उपयुाक्त सभी

50. रेनडय सम च र की भ ष ऐसी ह -

अ नजसमेंस म नसक और तत्सम शब्द ांकी बहुलत ह । ब. नजसमेंआम ब लच ल के शब्द ांक प्रय ग ह । स. ज सम च र व चक आस ीी सेपढ़ सके । द. नजसमेंकनठि शब्द ह ां। 51. आ ुनिक छ प ख ि क आनवष्क र हुआ

अ. भ रत में ब. चिी में स. जमिाी में द. अमेररक में

प्रश्न 2 - ररि स्थान मेंिही सवकल्प चुनकर सलक्तखए – **(1x6=6)** 1. मैं………………………..मौज ांपर मस्त बह करत हाँ। (भव/भय)

2. मैंम दकत …………….. नलए नफरत हाँ। (नि:शेष /नवशेष)

3. ‘मैंबि -बि नकतिजग र ज नमि त हाँ’ में…………….अलांक र है।(यमक/पुिरूक्तक्त प्रक श) 4. कनव बच्चि …………….. क ध्य ि िहीांकरते। (जग/पग)

5. सांस र कनव के…………….क ग ि कहत है । (हाँसिे/र ि)

6. दुनिय की सबसेरांगिी और हल्की चीज…………….. है। (स्वप्/पतांग)

7. पतांग की पतली कम िी…………….. की बिी ह ती है। (ल हेकी /ब ाँस की)

8. आच या भरत ि.............क व्य की आत्म म ि है।(रस क / अलांक र क)

9. आश्रय के नचत्त में उत्पन्न ह ि व ले अस्थ यी मि नवक र ां क ....कहते हैं।(सांच री भ व/ स्थ ई भ व) 10. भ व पक्ष में.............प्रर् ि ह त है।(रस/ अलांक र)

11. सांच री भ व की सांख्य ....म ी गई है।(11/ 33)

12. स्थ यी भ व की सांख्य ....म ी गई है।(10/12)

13. प्रत्येक रस क एक.............नियत ह त है।(स्थ ई भ व/ सांच री भ व)

14. रस के प्रमुख अांग.....ह ते हैं।(4/5)

15. वीभत्स रस क स्थ यी भ व.....ह त है।(नवस्मय/जुगुप्स)

16. नवभ व के .....प्रक र ह ते हैं।(2/4)

17. अिुभ व के भेद.....ह ते हैं।(4/5)

18. आश्रय की ब हय श रीररक चेष्ट एाँ .....कहल ती है।(अिुभ व /नवभ व)

19. स्थ यी भ व क ज गृत करि व ले क रण.....कहल ते हैं।(आलांबि /उद्दीपि)

20. क्र र् स्थ यी भ व ज गृत ह कर.....रस के रूप में पररनणत ह त है।(र द्र/ ह स्य) 21. व्यांग्य क्तक्त क पढ़कर, देख कर अथव सिुकर.....रस की निष्पनत्त ह ती है।(ह स्य /अद् भुत) 22. भक्तक्ति क कद ..... थ । (छ ि /बड़)

23. भक्तक्ति प ठ के रचनयत ..... हैं। (मह दवी वम ा/रनजय सज्ज द जहीर)

24. जीवि के दू सरे पररच्छे द में ..... अनर्क है। (सुख/दुख)

25. र निय ाँ अच्छी सेकि के प्रय स में बहुत अनर्क ..... ह गई है। (खरी/िरम)

26. मेरे भ्रमण की एक ांत स नथि ..... ही रही है। (भक्तक्ति/मह देवी)

27. मेरे प स वह ाँज कर रहि के नलए ..... िहीां है। (रुपय /मक ि)

28. भक्तक्ति और मेरे बीच में ..... क सांबांर् है। (सेवक-स्व मी /लिेदि)

29. वह शब्द ज क्षेत्र नवशेष मेंब लेज तेहैं----- कहल तेहैं।(तकिीकी/ क्षेत्रीय शब्द)

30. वेशब्द ज व क्य मेंनकसी शब्द के ब द बल दिकेनलए लग ए ज तेहैं। ------ कहल ते हैं। (क्षेत्रीय शब्द /निप त शब्द)

31. 'नसल्वर वैनडांग' के कथ ि यक..... क अपि आदशा म िते थे। (नकशिद /नगरीश)

32. मि हर श्य म ज शी क जन्म ..... में हुआ। (9 अगस्त, सि् 1933 क र जस्थ ि के अजमेर/15 अगस्त, सि् 1940 क र जस्थ ि के अजमेर)

33. नकशि द ि यश र् ब बू क .....उर् र भी नदए। (सौ रुपए/पच स रुपए) 34. 'नसल्वर बैंनडांग' में भूषण ि अपि नपत क उपह र में..... नदय । (ऊिी डरेनसांग ग उि/ ऊिी स्विेर)

35. 'नसल्वर बैंनडांग' कह ि में प्रमुख प त्र यश र् पांत (व ई.डी.पांत) की श दी के..... क वणिा है। (पच्चीसवीां स लनगरह/ पैंत लीसवीां स लनगरह)

36. यश र् ब बू ि दफ्तर से लौिते हुए र ज..... ज ि की रीनत अपि ई। (नबड़ल मांनदर/स ांई मांनदर) 37. यश र् ब बू मूल रूप से..... के रहि व ले थे। (ग रखपुर/ कु म ऊां)

38. एक सफल स क्ष त्क रकत ामें.....ह ि च नहए। (पय ाप्त ज्ञ ि/सुांदरत)

39. स्तांभ लेखि.....लेखि क प्रमुख रूप है। (नवच रपरक/सक र त्मक)

40. सांप दकीय क ....की आव ज म ि ज त है। (आम जित / अखब र)

प्रश्न 3. सनम्नसलक्तखत कथनोों के िमिक्ष ित्य या अित्य सलक्तखए**- (1x6=6)**

1. क ले मेघ प ी दे प ठ रेख नचत्र है |
2. पचैनजग प वर क अथा क्रय शक्तक्त ह त है|
3. भक्तक्ति मावीर भ रती की रचि है ।
4. इांदर सिे क अथा मेंढक मांडली ह त है ।
5. सरस्वती पनत्रक क सांप दि हज री प्रस द निवेदी ि नकय है |
6. भक्तक्ति देह नति थी ।
7. ब ज र क ज दू आांख की र ह क म करत है ।
8. जैिेंद्र कु म र मि वैज्ञ निक उपन्य सक र है |
9. गुण की सांख्य ति ह ती है ।
10. वनणाक छां द की गणि वणा के आर् र पर की ज ती है ।
11. जह ां क रण के नबि क या ह ि कह ज त है वह ां व्यनतरेक अलांक र ह त है । 12. आत्मकथ सत्य घिि पर िहीां ह ती ।
13. रेनडय ि िक मेंसांव द क क ई महत्त्व िहीां ।
14. स्थूल के प्रनत सूक्ष्म क नवद्र ह ही छ य व द है ।
15. द ह वनणाक छां द है ।
16. एक ांकी श्रव्य क व्य क रूप ह त है ।
17. अलांक र क अथा दपाण ह त है ।
18. सम च र पत्र लेखि के स त कक र ह ते हैं।
19. कनवत क अनिव या तत्व लय है ।
20. हररवांश र य बच्चि की आत्मकथ द खन्ड मेंहै।
21. प्रव सी की ड यरी बच्चि की आत्मकथ है।
22. बच्चे प्रत्य श मेंिोंड से झ ांक रहे ह ांगे ।
23. नदि जल्दी–जल्दी ढलत है कनवत में नदि क पांथी सूया क म ि गय है । 24. 'कै मरे मेंबांद अप नहज कनवत ' मेंदू रदशिा पर व्यांग्य नकय गय है । 25. सीर्ी ब त छां द ां के चक्कर मेंफां स गई।
26. रघुवीर सह य दू सरे त र सप्तक के कनव हैं।
27. छ य व द के प्रवताक जयशांकर प्रस द है ।
28. र मचररतम िस की रचि ब्रजभ ष मेंकी गई है ।
29. डॉ िगेंद्र ि छ य व द क स्थूल के प्रनत सूक्ष्म क नवद्र ह कह है । 30. कनव ि ह र कर ब त क कील की तरह ठ क नदय ।
31. क याक्रम क र चक बि ि के नलए कै मरे के स मि अप नहज क र ि के नलए नववश नकय ज त है ।
32. कुां वर ि र यण प्रगनतव दी रचि क र है ।
33. कनवय ां ि प्रकृ नत क म िवीकरण नकय है ।
34. भ रतेंदु युग क नहन्दी कनवत क ज गरण कल म ि ज त है ।
35. प्रय गव द के प्रवताक शमशेर बह दुर नसांह है ।
36. कनवत एक क्तखलि है बच्च ां के बह ि ।
37. नसल्वर वेनडांग कह िी के ि यक भूषण है।

38. जूझ कह ी ग द ि उपन्य स क अ ांश है ।

39. स न्दलगेकर म स्टर कनवत बहुत ही अच्छे ढांग से पढ़ ते थे ।

40. नसल्वर वेनडांग उत्सव नवव ह के 25 वषा पूणा ह ि पर मि य ज त है । 41. जूझ कह ी क प्रमुख प त्र आिांद है ।

42. भ रत क पहल छ प ख ि नदल्ली मेंलग य गय ।

43. निरक्षर ां के नलए मुनद्रत म ध्यम बहुत उपय गी है ।

44. पत्रक ररत जल्दी मेंनलख गय स नहत्य है ।

45. इांिरिे पर पढ़ि सिु और देखि ति ां की ही सुनवर् है ।

46. भक्तक्ति क कद लांब थ ।

47. जयशांकर प्रस द क मह क व्य 'आांसू'है ।

48. 'वीभत्स रस' क दसव ां रस म ि गय है ।

49. 'तौनलय ' तकिीकी शब्द है ।

प्रश्न **4.** िही जोड़ी का समलान कर सलक्तखए **– (1x7 =7)** स्तम्भ **(**अ**)** स्तम्भ **(**ब**)**

(1 .)

i. 'आत्म पररचय' क) आल क न्वे

ii. 'पतांग' ख) हररवांशर य बच्चि

iii. नवभ व ग) रघुवीर सह य

iv. 'भक्तक्ति' घ) मह देवी वम ा

v. लक्षण ड.) आिांद य दव

vi. 'जूझ ' च) शब्दशक्तक्त

vii. नवनभन्न म ध्यम ां के नलए लेखि छ)रस क अ ांग

ज) अनभव्यक्तक्त और म ध्यम

(2 .)

स्तम्भ **(**अ**)** स्तम्भ **(**ब**)**

i. जूझ क अखब र की आव ज

ii. क्य भूलूां क्य य द करूां ख अ ांनतम समय सीम

iii. सांप दकीय पृष्ठ ग भक्तक्त क ल

iv. डेडल इि घ कथ िक

v. नहन्दी स नहत्य क स्वणा क ल ड. भ्र ांनतम िअलांक र

vi. झूठ का निश्चय ह ि च आिांद य दव

vii. कह ि◌ी क कें द्रीय नबांदु छ सांदेह अलांक र

ज हररवांश र य बच्चि

झ रघुवीर सह य

(3)

स्तम्भ (अ) स्तम्भ (ब)

i आच यार मचांद्र शुक्ल क) स ◌ांग रूपक

ii उपमेय मेंउपम ि◌ क आर प ख) अलांक र क व्य की आत्म iii उपमेय क उपम ि◌ सेश्रेष्ट

ग) सांदेह अलांक र

iv इसमेंभ्रम दू र करि सांभव ि◌हीां घ) व्यनतरेक अलांक र

v इसमेंअनिश्चय की क्तस्थनत बिी रहती है ड.) भ्र ◌ांनतम ि◌अलांक र

प्रश्न 5 . सनम्नसलक्तखत प्रश्नों के उत्तर एक-एक वाक्य मेंसलक्तखए- **(1x7 =7)**

1. रीनतक ल में नकस रस की प्रर् ि◌त थी ?
2. मीर नकसकी अिन्य भक्त थी ?
3. "गुि ह ◌ां क देवत "उपन्य स के लेखक कौि है ?
4. तुलसीद स स्वयां क क्य कहलव ि◌ पसांद करते हैं?
5. पांचतांत्र में नकस प्रक र की कह ि◌ी नलखी गई है ?
6. नकशिद क व स्तनवक ि◌ म क्य थ ?
7. पृथ्वीर ज र स क व्य नकस युग में नलख गय ?
8. अज्ञेय नकस युग के प्रवताक कनव म ि◌ ज ते हैं?
9. प्रत्येक पांक्तक्त में 31 वणा व ली रचि क्य कहल ती है ?
10. ऐस लघुव क्य ◌ांश नजसके प्रय ग से भ ष मेंसौंदया उत्पन्न ह त है क्य कहल त है ? 11. नकसी र्िि समस्य य मुद्दे की गहि छ ि◌बीि और नवश्लेषण क क्य कहते हैं? 12. आिांद य दव क मि नकस ब त के नलए तड़पत है ?
13. बच्चे नकसकी प्रत्य श मेंह ◌ांगे ?
14. प्रस द गुण क सांबांर् नकस रस से ह त है ?
15. तुलसीद स ि◌ र मचररतम ि◌स की रचि नकस भ ष मेंकी है ?
16. कनवय ◌ां के अिुस र दसव ◌ां रस नकसे कह ज त है ?
17. रेनडय ि◌ ि◌क ◌ां मेंपत्र ◌ां की पहच ि◌ नकसके म ध्यम से ह ती है ?
18. भक्तक्ति लेक्तखक क भ जि नकस बति मेंदेती थी ?
19. अिुच्छेद नलखिे से पूवा क्य कर लेि च नहए ?
20. तुलसीद स कृ त कनवत वली नकस भ ष में नलखी गई है ?
21. सम च र पत्र नकस शैली मेंनलखे ज ते हैं?
22. जूझ उपन्य स के अिुव दक क ि◌ म नलक्तखए ।
23. तुलसीद स जी ि◌ दररद्रत की तुलि नकस की है ?
24. ब ज र की स थाकत नकस मेंहै ?

25. कनवत की उड़ ि कौ िहीां ज ित है ?

26. ज ि श्य म घिश्य म क ि च उठे वि म र ' नकस अलांक र क उद हरण है? 27. कै मरे के स मि नकसक ल य ज त है ?

28. अखब र पनत्रक एां और पुस्तक के नकस प्रक र के म ध्यम मेंआती है ?

29. करुण रस क स्थ ई भ व नलक्तखए ।

30. ि िक सम्र ि के ि म से नकसे ज ि ज त है ?

31. शब्द गुण नकति प्रक र के ह ते हैं?

32. आ ुनिक क ल की मीर नकसे कह ज त है ?

33. मुनद्रत म ध्यम की एक प्रमुख नवशेषत क्य है ?

34. घिि स्थल से नकसी खबर के सी ्रे प्रस रण क क्य कहते हैं?

35. पनत की मृत्युके समय भक्तक्ति की आयुक्य थी ?

36. छां द नकति प्रक र के ह ते हैंि म नलक्तखए।

37. 'स री बीच ि री है नक ि री बीच स री है' मेंकौ स अलांक र है ?

38. च ांद क मुांह ि ढ़ है नकस कनव की रचि है ?

39. एक अ ांक व ली ि िक कृ नत क्य कहल ती है ?

40. जह ां उपमेय क उपम ि से श्रेष्ठ बत य ज ए वह ां कौ स अलांक र ह त है ? 41. भ रत मेंपहल छ प ख ि कह ां खुल थ ?

42. नहन्दी पद्य स नहत्य क नकति भ ग ां मेंब ांि गय है ?

43. कलम क ज दू गर नकसे कह ज त है ?

44. H.T.M.L.क फु ल फॉमा क्य है ?

45. कौ स स्तांभ जिमत क प्रनतनबांनबत करत है ?

46. भक्तक्त क ल क नहन्दी स नहत्य क स्वणा युग क्य ां कह गय है ?

47. ह ल व द के प्रवताक कनव कौ हैं?

48. नहन्दी की पहली कह ी नकसे म ि गय है ?

49. आमतौर पर रेनडय ि िक की अवनर् नकती ह ी च नहए ?

50. नसल्वर वेनडांग कह ी के लेखक कौ है ?

51. क व्य की श भ बढ़ ि व ले तत्व क्य कहल ते हैं?

52. लेखक अिांद य दव और उिकी म ां नकसके प स गए थे ?

53. नहन्दी गद्य क जिक नकसे म ि ज त है ?

54. शब्द शक्तक्त नकति प्रक र की ह ती है? क ई द प्रक र ां के ि म भी नलक्तखए।

55. प्रगनतव दी क व्य की प्रमुख नवशेषत नलक्तखए।

56. स म न्यतः सांक्षेपण मूल कथि क कौ स भ ग ह त है ?

57. सम च र लेखि के नकति प्रक र है ?

58. रस के अ ांग ां के ि म नलक्तखए ।

प्रश्न क्रमीांक **6:-- (2)**

i. प्रगनतव द की क ई द नवशेषत एँ /प्रवृनत्तय ँ नलक्तखए।

ii. ि ई कनवत की क ई द नवशेषत एँ /प्रवृनत्तय ँ नलक्तखए।

iii. छ य व दी युग की क ई द नवशेषत एँ नलक्तखए ।

iv. रीनतक ल क शांग र क ल क्य ां कह ज त है ?

v. भक्तक्त क ल क नहन्दी स नहत्य क स्वणा युग क्य ां कह ज त है ?
vi. प्रगनतव दी क व्य की नवशेषत एँ नलक्तखए ।

प्रश्न क्रमींक **7:-- (2)** 1. 'शीतल व णी में आग ' ह ि क क्य अनभप्र य है ?

2. 'कै मरे में बांद अप नहज 'कनवत के म ध्यम से कनव क्य कहि च हते हैं ?

3. कनव हररवांश र य बच्चि क यह व स्तनवक सांस र क्य ां अच्छ िहीां लगत ?

4. नदश ओां क मृदांग की तरह बज िसे क्य त त्पया है?

5. कनव हररवांश र य बच्चि सांस र एवां स्वयां के सांबांर् के ब रे में क्य बत ते हैं?

6. 'आत्म पररचय' कनवत में कनव ि अपि व्यक्तक्तत्व के नकि पक्ष ां क उभ र है?

7. कनव हररवांश र य बच्चि के अिुस र जग नकन्हे पूछत है और क्य ां ?

8. कनव हररवांश र य बच्चि अपि हृदय में नकस तरह के भ व ां क रखे हुए हैं?

9. कनव हररवांश र य बच्चि क यह व स्तनवक सांस र क्य ां अच्छ िहीां लगत ?

10. कनव हररवांश र य बच्चि अपि मि में नकस तरह क सांस र नलए हुए हैं?

प्रश्न क्रमींक **8:-- (2)** 1. सांदेह अलांक र क उद हरण सनहत नलक्तखए ।

2. श ांत रस की पररभ ष उद हरण सनहत नलक्तखए

3. नवर र् भ स अलांक र की पररभ ष एवां उद हरण नलक्तखए ।

4. रस के प्रमुख अांग कौि-कौि से हैं?

5. रस निष्पनत्त में सह यक तत्व के ि म नलक्तखए।

6. स्थ ई भ व नकसे कहते हैं?

7. सांच री भ व नकसे कहते हैं ?नकन्ही द सांच री भ व के ि म बत इए?

8. करुण रस की पररभ ष एवां उद हरण नलक्तखए।

प्रश्न क्रमींक **9:-- (2)** 1. स रठ छां द की पररभ ष उद हरण सनहत नलक्तखए।

2. कनवत्त छां द की पररभ ष उद हरण सनहत नलक्तखए।

3. सवैय छां द की पररभ ष उद हरण सनहत नलक्तखए।

4. शब्द गुण नकति प्रक र के ह ते हैं? उद हरण सनहत नलक्तखए।

5. शब्द गुण नकसे कहते हैं ?नलक्तखए।

प्रश्न क्रमींक **10:-- (2)** 1. कह ी और उपन्य स में क ई द अांतर नलक्तखए |

2. रेख नचत्र और सांस्मरण में क ई द अांतर नलक्तखए |

3. जीवी और आत्मकथ में क ई द अांतर नलक्तखए |

4. ि िक और एक ांकी में क ई द अांतर नलक्तखए |

5. निबांर् क गद्य की कसौी क्य ां कह ज त है ?

6. शुक्लयुग के गद्य की प्रमुख नवशेषत एँ नलक्तखए |

7. निवेदीयुग के गद्य की प्रमुख नवशेषत एँनलक्तखए |

8. गद्य की नवर् ओां क प्रमुख एवां गौण नवर् ओां में वगीकृ त करके नलक्तखए |

9. निबांर् नकसे कहते है? नकन्हीां द निबांर्क र ां एवां उिके द -द निबांर् ां के ि म नलक्तखए| प्रश्न क्रमाांक

11:-- (2) 1. भक्तक्ति के आ ज ि से मह देवी अनर्क देह ती कै से ह गई थी ?

2. भक्तक्ति अपि व स्तनवक ि म ल ग ां से क्य ां छु प ती थी ?

3. भक्तक्ति के चररत्र की द नवशेषत एँ नलक्तखए I

4. ब ज र क ज दू चढ़ि और उतरि क मिुष्य पर क्य प्रभ व पड़त है ?

5. ब ज र की स थाकत नकस पर निभार रहती है ?

6. भक्तक्ति क व स्तनवक ि म क्य थ ? वह अपिे इस ि म क क्य छु प ती रही?

7. ि ौकरी की ख ज मेंआई ां भक्तक्ति िे अपिेव स्तनवक ि म लछनमि क उपय ग ि करि की ब त लेक्तखक से क्य ां कही?

8. लग ि ि चुक ि पर जमींद र ि भक्तक्ति क क्य सज दी?

9. लेक्तखक मह देवी वम ा के अिुस र भक्तक्ति के जीवि क परम कताव्य क्य थ ?

10. ‘भक्तक्ति और मेरे बीच में सेवक-स्व मी क सांबांर् है, यह कहि कनठि है।’ लेक्तखक मह देवी वम ा ि ऐस क्य ां कह ?

11. भक्तक्ति के आ ज ि से मह देवी देह ती कै से ह गई?

12. ‘भक्तक्ति की कह िी अर्ूरी है ’ लेक्तखक मह देवी ि ऐस क्य ां कह ?

13. म य कि ै ज ड़त है? ब ज र दशाि प ठ के आर् र पर बत इये?

14. ‘पचेनजांग प वर’ से लेखक क क्य आशय है?

15. ब ज र क ज दू क्य है? वह कै से क म करत है?

16. लेखक जैिेन्द्र कु म र के पड़ स में रहले व ले भगत जी क्य क म करते हैं?

17. ब ज र एक ज दू है? लेखक जैिेन्द्र कु म र ि ऐस क्य ां कह ?

18. ब ज र क ज दू चढ़ि और उतरि क मिुष्य पर क्य प्रभ व पड़त है?

19. लेखक जैिेन्द्र कु म र के अिुस र ‘ब ज रूपि’ से क्य त त्पया है?

20. ‘ब ज र नकसी क नलांग, ज नत, र्मा य क्षेत्र िहीां देखत ‘ब ज र दशाि’ प ठ के आर् र पर बत इये? 21.

‘क्तस्त्रय ां ि र म य ज ड़ि प्रकृ नत प्रदत्त िहीां, बक्ति परक्तस्थनतवश है’ पनठत प ठ के आर् र पर नसद्ध कीनजए? 22. िकिली स म ि के क्तखल फ ज गरूकत फै ल ि के नलए आप क्य कर सकते हैं?

23. ‘क ले मेघ प ि दे’ से लेखक क क्य त त्पया है?

प्रश्न क्रमाांक **12:-- (2)** 1. मुह वरेएवां ल क क्तक्त मेंअांतर नलक्तखए ।

2. ल क क्तक्त सेआप क्य समझतेहैं? उद हरण सनहत नलक्तखए ।

3. शब्द युग्म नकसेकहतेहैं? उद हरण सनहत नलक्तखए ।

4. शब्द युग्म नकतिेप्रक र के ह तेहैं? ि म नलक्तखए।

प्रश्न क्रमाांक **13:-- (2)** 1. शब्द शक्तक्त से क्य अनभप्र य है ?यह नकतिे प्रक र की ह ती हैं ?

2. अनभर् शब्द शक्तक्त नकसे कहते हैं ? उद हरण सनहत नलक्तखए।

3. लक्षण शब्द शक्तक्त नकसे कहते हैं ? उद हरण सनहत नलक्तखए।

4. व्याांजि शब्द शक्तक्त नकसे कहते हैं ? उद हरण सनहत नलक्तखए।

प्रश्न क्रमाांक **14:-- (2)**

i. नसल्वर वैंनडग क आय जि क्य ां हुआ थ ?
ii. नसल्वर बैंनडांग कह िी के आर् र पर स्पष्ट कीनजए नक आपके जीवि क नदश दिे में नकसक महत्त्व पूणा य गद ि रह है?
iii. जब सब्जी लेकर यश र् ब बू घर पहुांचे त उिकी दश कै सी थी?
iv. यश र् ब बू की पत्नी अपिे बच्च ां क स थ क्य ां देती है?
v. यश र् ब बू ि नकशिद से नजि जीवि मूल् ां क प य थ वह आपके नलए भी कै से उपय गी ह सकते हैं?
vi. यश र् ब बू के चररत्र की नवशेषत एँ नलक्तखए।
vii. निज के सांबांर् में यश र् ब बू के क्य नवच र हैं?
viii. सौंदलगेकर के अध्य पि की द नवशेषत एँ नलक्तखए, नजन्ह ांिे लेखक के मि में कनवत के प्रनत रुनच जग ई।
ix. 'जूझ' कह िी के प्रमुख प त्र की द नवशेषत एँ नलक्तखए।
x. 'जूझ' कह िी के लेखक के जीवि सांघषा के उि नबांदुओां पर प्रक श ड नलए ज आपके नलए प्रेरण द यी हैं।
xi. 'जूझ' शीषाक क क्य औनचत्य है ? नलक्तखए ।
xii. 'जूझ' कह िी के आर् र पर आपक कौि-कौि से जीवि मूल् ग्रहण करिे की प्रेरण नमलती है? प्रश्न

क्रमाांक **15:-- (2)**

1. पत्रक ररत में बीट नकसे कहते हैं ?
1. मुनद्रत म ध्यम ां में लेखि के नलए ध्य ि रखिे य ग्य प्रमुख ब तें कौि-सी है ?
2. एक अच्छे लेखि की प्रमुख नवशेषत एँ नलक्तखए
2. इांटरिेट की प्रमुख सीम एां अथव द ष नलक्तखए ।
3. . रेनडय के नलए सम च र लेखि सांबांर्ी बुनिय दी ब तें कौि-कौि सी हैं-?

4. सांप दकीय लेखि क्य है ?इसमें नकस प्रक र की ब त ां क ध्य ि रख ज ि च नहए ? **प्रश्न क्रमींक 16. (3)**

1. कुाँ वर ि र यण अथवा रघ ुवीर सह य की क व्यगत नवशेषत एाँ निम्ननलक्तखत नबन्दुओां के आर् र पर नलक्तखए i. द रचि एाँ ii. भ वपक्ष iii. कल पक्ष
2. हररवांश र य बच्चि अथवा आल क न्वे की क व्यगत नवशेषत एाँ निम्ननलक्तखत नबन्दुओां के आर् र पर नलक्तखए-

i. द रचि एाँ ii. भ वपक्ष iii. कल पक्ष

प्रश्न क्रमींक **17 (3)**

i. मह देवी वम ा अथवा जैिेन्द्र की स नहक्ततत्यक नवशेषत एाँ निम्ननलक्तखत नबन्दुओां के आर् र पर नलक्तखए – i. द रचि एाँ ii. भ ष -शैली iii. स नहत्य में स्थ ि

ii. र्मावीर भ रती अथवा जैिेन्द्र की स नहक्ततत्यक नवशेषत एाँ निम्ननलक्तखत नबन्दुओां के आर् र पर नलक्तखए – i. द रचि एाँ ii. भ ष -शैली iii. स नहत्य में स्थ ि

प्रश्न क्रमींक **18 (3)** भाव पल्लवन -

1. 'र्मा के मूल में प थाक्य िहीां है|'
2. 'मि के ह रे ह र है मि के जीते जीत|'
3. 'दू र के ढ ल सुह वि ह ते हैं।'
4. 'परनहत सररस र्मा िहीां भ ई।'
5. 'आवश्यकत आनवष्क र की जििी है।'
6. 'बैर क्र र् क अच र य मुरब्ब है।'
7. 'ईश्वर नकसी नवशेष र्मा य ज नत क िहीां ह त '
8. 'चररत्र सबसे बड़ ि र् है।'
9. 'अज्ञ ि सवात्र आदमी क पछ ड़त है।'
10. अब पछत ए ह त क्य जब नचनड़य ाँ चुग गई खेत |

सांवार्द लेखन -

1. नवलांब से कक्ष में पहुांचिे पर नशक्षक छ त्र सांव द नलक्तखए।***
2. नक्रके ि के खेल नवषय पर द नमत्र ां के बीच सांव द नलक्तखए।
3. बढ़ती हुई कीमत ां पर द मनहल ओां के बीच सांव द नलक्तखए। ***
4. स्व स्थ्य ल भ कर रहे र गी और उिके डॉक्टर के बीच सांव द नलक्तखए।
5. परीक्ष की तैय री हेतुनहन्दी नवषयनशक्षक और छ त्र के बीच सांव द नलक्तखए |

6. म ब इल के उपय ग नवषय पर द नमत्र ां के बीच ह ि व ले सांव द नलक्तखए |

सवज्ञापन लेखन

1. नवद्य लय में व नषाक उत्सव आय जि हेतु एक नवज्ञ पि बि कर नलक्तखए |
2. िश मुक्तक्त निव रण नशनवर नवषय पर नवज्ञ पि बि कर नलक्तखए |
3. कां प्यूिर नशक्षक ां की आवश्यकत हेतु एक नवज्ञ पि बि इए

4. घड़ी नवक्रे त के नलए एक नवज्ञ पि तैय र कीनजए

5. हस्तकल के प्रच र प्रस र के नलए एक नवज्ञ पि नलक्तखए

6. नकसी नवद्य लय में प्रवेश प्रनक्रय प्र रांभ ह ि क नवज्ञ पि बि इए।

प्रश्न **19.** सनम्नसलक्तखत अपसित गद्यााँि अथवा काव्यााँि को पढ कर नीचे सलखे प्रश्नोों के उत्तर सलक्तखए**- (3)**

1. आप हमेश अच्छी नजांदगी जीते आ रहे हैं |आप हमेश बनढ़य कपड़े, बनढ़य जूते, बनढ़य म ब इल, जैसे नदख व ां पर बहुत खचा करते हैं। मगर आप अपि शरीर पर नकति खचा करते हैं, इसक मूल् ांकि जरूरी है। यह शरीर अिम ल है |अगर शरीर स्वस्थ िहीां ह ग ,त आप यह स र स म ि नकस पर ि ांगेंगे? अतः स्वयां क स्वस्थ रहि सबसे जरूरी है एवां स्वस्थ रहि में हम रे ख ि-प ि क सबसे बड़ य गद ि है।

प्रश्न

1.उपयुाक्त गद्य ांश क उनचत शीषाक नलक्तखए।

2.अिम ल क्य है?

3.गद्य ांश क सांनक्षप्त स र ांश नलक्तखए।

2.आदशा व्यक्तक्त कमाशीलत में ही अपि जीवि की सफलत समझत है। जीवि क प्रत्येक क्षण वह कमा में लग त है। नवश्र म और नवि द के नलए उसके प स निनश्चत समय रहत है। शेष समय जि सेव में व्यतीत ह त है। ह थ पर ह थ र्र कर बैठि क वह मृत्यु के सम ि समझि है। क म करि की उसमें लगि ह ती है, उत्स ह ह त है। नवपनत्तय ां में भी वह अपि चररत्र क सच्च पररचय देत है।

प्रश्न

1. उपयुाक्त गद्य ांश क उनचत शीषाक नलक्तखए।

2. उपयुाक्त गद्य ांश में वनणात व्यक्तक्त के गुण नलक्तखए।

3. आदशा व्यक्तक्त क्य करत है?

3. सांस्क र ही नशक्ष है |नशक्ष इांस ि क इांस ि बि ती है |आज के भौनतकव दी युग में नशक्ष क प्रमुख उद्देश्य सुख प ि रह गय है |अांग्रेज ां ि अपि श सि व्यवक्तस्थत रूप से चलि के नलए ऐसी नशक्ष क उपयुक्त समझ , नकांतु यह नवच रर् र हम रे म न्यत के नवपरीत है| आज की नशक्ष प्रण ली एक की है, इसमें व्य वह ररकत क अभ व है, श्रम के प्रनत निष्ठ िहीां है| प्र चीि नशक्ष प्रण ली में आध्य क्तत्मक एवां व्यवह ररक जीवि की प्रर् ि त थी | नशक्ष के वल

िौकरी के नलए िहीां जीवि क सही नदश प्रद ि करि के नलए थी | अतः आज के पररवेश में यह आवश्यक है नक इि द ष ांक दू र नकय ज ए अन्यथ यह द ष सुरस के सम ि हम रे स म नजक जीवि क निगल ज एग ।

प्रश्न **-**

1 प्र चीि नशक्ष प्रण ली की क्य नवशेषत थी ?

2 वताम ि नशक्ष प्रण ली में नकस चीज क अभ व है ?
3 उपयुक्त गद्य ांश क उनचत शीषाक नलक्तखए |

अपसित पद्यांि

1 युवक िहीां ज सांकि ां क देख डर ज त ,
यह चक र ही िहीां की ज अांग र ि ख त
बनलद ि ां क पथ िहीां नजसे पहच ि ,
कह देग यह कौ नक वह भी है ख ि
उष्ण रक्त की र् र जव ी म ाँग रही है
नवर नचत शांग र जव ी म ांग रही है
प्रश्न
1 सांकि ां से कौ िहीां डरते हैं ?
2 जव ी क्य -क्य म ाँग रही है?
3 उक्त पद्य ांश क स र ांश नलक्तखए।

2 .आ रही नहम लय से पुक र,
है उदनर् गरजत ब र-ब र,
प्र ची पनश्चम भू िभ अप र ,
सब पूछ रहे हैं नदग नदगांत,
वीर ां क कै स ह बसांत।।
प्रश्न..
1. उपयुाक्त पद्य ांश क उनचत शीषाक दीनजए।
2. ब र-ब र कौ गरज रह है।
3. उपयुाक्त पद्य ांश में कौ स रस है?

3. चलि हम र क म है
इस नवषद नवश्व प्रव ह में ,नकसक िहीां बहि पड़ ।
सुख दुख हम री ही तरह, नकसक िहीां सहि पड़ ।
नफर व्यथा क्य ां कहत नफरूां ,मुझ पर नवर् त व म है।
चलि हम र क म है।
प्रश्न..

1. प्रस्तुत पद्य ांश क उनचत शीषाक नलक्तखए।
2. कनव व्यथा में क्य िहीां कहि च हत ?

3. प्रस्तुत पांक्तक्तय ां में कौ स क व्य गुण है?

प्रश्न क्रमांक **20** सनम्नसलक्तखत काव्यांि का िन्दभि प्रिंग िसहत भावाथि सलक्तखए **- (4)**

1. कनवत एक क्तखलि है .....फू ल क्य ज ि ?

(प ठ ...कनवत के बह ि,कनव - कुां वर ि र यण)

2. कनवत एक उड़ ि है .....नचनड़य क्य ज ि ?
   प ठ ...कनवत के बह ि (कुां वर ि र यण)

3. मैं निज र दि में.....भ ग नलए नफरत हां।
   प ठ ...आत्म पररचय(हररवांश र य बच्चि)
4. मैं और, और जग और...उस पृथ्वी क ठु कर त ।
   प ठ ...आत्म पररचय (हररवांश र य बच्चि)
5. मैं जगजीवि क भ र....द त र नलए नफरत हां ।
   प ठ ...आत्म पररचय (हररवांश र य बच्चि)

प्रश्न क्रमांक **21** सनम्नसलक्तखत गद्यांि की ि्न्दभि-प्रिंग िसहत व्याख्या सलक्तखए **- (4)**

1. ब ज र एक ज दू है .....ज दू चल ज एग ।
   प ठ... ब ज र दशिा (जिेंद्र कु म र)
2. ज दू की सव री..... क म जकड़ ह गी।
   प ठ ...ब ज र दशिा (जिेंद्र कु म र)
3. मेरे भ्रमण की भी एक ांत..... स म ि स थ प ती हां।
   प ठ ... भक्तक्ति (मह देवी वम ा)
4. सेवक र्मा में हिुम ि जी..... क उपय ग ि करूां ।
   प ठ... भक्तक्ति (मह देवी वम ा)
5. छ ि कद और दुबले.....से सांग रनहत है।
   प ठ... भक्तक्ति(मह देवी वम ा)
6. पर उस ज दू की .....समय क म आि ।
   प ठ... ब ज र दशिा (जिेंद्र कु म र)

प्रश्न क्रमांक **22...**पत्र लेखन **(4)** औपचाररक पत्र**..**

1. सनचव ,म . नश. मां.भ प ल क अांकसूची की नितीय प्रनत मांगव ि हेतु आवेदि पत्र नलक्तखए। 2. उत्तर पुक्तस्तक के पिुमूाल् ांकि हेतु सनचव ,म . नश. मां.भ प ल क आवेदि पत्र नलक्तखए। 3.नियनमत जल आपूनता हेतु िगर निगम आयुक्त क प्र थिा पत्र नलक्तखए।

4. वष ा उपर ांत म हल्ले की स फ -सफ ई हेतु िगर निगम आयुक्त क पत्र नलक्तखए।

5. परीक्ष क ल में ध्वनि नवस्त रक यांत्र ां पर र क लग ि हेतु नजल ीश क प्र थिा पत्र नलक्तखए। 6. नवदय लय के प्र च या क बुक बैंक से पुस्तक प्र प्त करि हेतु एक प्र थिा पत्र नलक्तखए। अथवा

अनौपचाररक पत्र**...**

1. छ त्र व स से अपिी पढ़ ई की सांत षजिक तैय री की ज िक री देते हुए अपिी म ांत जी क पत्र नलक्तखए। *** 2. अपि नमत्र क ह यर सेकें डरी परीक्ष में प्रथम श्रेणी में उत्तीणा ह ि पर बर् ई पत्र नलक्तखए।*** 3. व द नवव द प्रनतय नगत में प्रथम स्थ ि प्र प्त करि पर अपि नमत्र क बर् ई पत्र नलक्तखए। 4. जीवि में य ग क महत्त्व समझ ते हुए अपि छ ि भ ई क पत्र नलक्तखए।

5. अपि भ ई की श दी में आमांनत्रत करि हेतु अपि नमत्र क पत्र नलक्तखए।

6. छ त्र व स में रहते हुए कु छ पुस्तक क्रय करि हेतु पैसे मांगव ि हेतु अपि नपत जी क पत्र नलक्तखए। प्रश्न क्रमांक **23**

सनम्नसलक्तखत में ि सकी एक सवषय पर रूपरेखा िसहत िारगसभित सनबींध सलक्तखए**- (4)** 1. प्रदू षण समस्य और निद ि/ पय ावरण सांरक्षण

2. दैनिक जीवि में इांिरि क महत्त्व

3. भ्रष्ट च र की समस्य और निद ि

4. जीवि में खेल ां क महत्त्व

5. सम च र पत्र ां की उपय नगत

6. नवद्य थी जीवि में अिुश सि

7. जल सांरक्षण/नबि प ी सब सि्

8.स नहत्य और सम ज/स नहत्य सम ज क दपाण